UP Board Solutions for Class 7 Hindi Chapter 25 भारत के महान शिक्षाविद् (महान व्यक्तित्व)

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1:
मालवीय जी की आरम्भिक शिक्षा कहाँ हुई?
उत्तर:
मालवीय जी की आरम्भिक शिक्षा 'धर्म ज्ञानोपदेश पाठशाला' प्रयाग में हुई।

प्रश्न 2:
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में मालवीय जी ने किस बात का विरोध किया?
उत्तर:
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में मालवीय जी ने साम्प्रदायिकता का विरोध किया।

प्रश्न 3:
मालवीय जी ने शिक्षा के प्रसार के लिए क्या किया?
उत्तर:
शिक्षा के प्रसार के लिए इन्होंने अनेक प्रयत्न किए। ये स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। ये शिक्षा को देश की उन्नति के लिए जरूरी समझते थे। लोगों से चन्दा अथवा धन एकत्र करके इन्होंने सन्
1918 ई० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की। इसमें अनेक विषयों के अध्ययन की व्य

प्रश्न 4:
सर सैयद अहमद खाँ के अनुसार 1857 ई० के विद्रोह का कारण क्या था?
उत्तर:
सर सैयद अहमद खाँ के अनुसार 1857 ई० के विद्रोह का मुख्य कारण भारतीयों को कानून बनाने से अलग रखना था।

प्रश्न 5:
मुस्लिम समाज के उत्थान के लिए सर सैयद अहमद खाँ ने कौन-कौन से कार्य किए?
उत्तर:
मुस्लिम समाज के उत्थान के लिए सर सैयद अहमद खाँ ने अनेक कार्य किए। उन्होंने मुस्लिमों में बौद्धिक चेतना जाग्रत करने के लिए तहजीबुल एखलाक"पत्रिका निकाली। उनका कहना था कि धर्मशास्त्रीय ज्ञान के साथ आधुनिक विषयों और विज्ञान का ज्ञान भी जरूरी है।

प्रश्न 6:
शिक्षा के उत्थान में सर सैयद अहमद खाँ का क्या योगदान है?
उत्तर:
शिक्षा के उत्थान में सर सैयद अहमद खाँ का बहुत योगदान है। उन्होंने इस कार्य के लिए अनेक संस्थाएँ खोली,

जिनमें मुरादाबाद का फारसी का मदरसा और साइंटिफिक सोसाइटी गाजीपुर और अलीगढ़ मुख्य हैं। उन्होंने लोगों से चन्दा अथवा धन माँगकर मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना की, जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कहलाया।।

प्रश्न 7:
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (पूर्ति करके)
(क) **शिक्षक देवकीनन्दन** की मालवीय के व्यक्तित्व को निखारने में प्रमुख भूमिका रही।
ख) मालवीय जी का मानना था कि **देशभक्ति** धर्म का ही एक अंग है।
(ग) सैयद अहमद खाँ समझते थे कि समाज तब सुधर सकता है, जब **शिक्षा** के क्षेत्र में नया दृष्टिकोण अपनाया जाए।
(घ) सैयद अहमद खाँ की भारत को सबसे बड़ी देन **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय** है।

https://www.evidyarthi.in/